

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 217] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 17, 1973/भाद्र 26, 1895
No. 217] NEW DELHI MONDAY, SEPTEMBER 17, 1973/BHADRA 26, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 17th September 1973

SUBJECT.—Import of "Woollen Rags"—(definition of woollen rags)

No. 154-ITC(PN)/73.—Attention is invited to the Import Policy for April 1973—March 1974 published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 46-ITC(PN)/73/73, dated the 2nd April, 1973.

2. In the aforesaid policy, wherever import of woollen rags has been permitted, whether to actual users, registered exporters or others, it will be subject to the definition of "woollen rags" as indicated below:—

"Woollen Rags

- (a) 'New': The waste woollen cloth not exceeding 24 square inches (154.84 square cm.) in area, whether woven or knitted which is left after a garment has been cut out. The term also includes piece ends and discarded pattern bunches of area not exceeding 154.84 square cm.
- (b) 'Old': Old and discarded woollen garments which have been mutilated, otherwise than by ripping at the seams, and rendered unserviceable.

3. This definition will also apply to the imports made on or after the date of this Public Notice against licences issued before the date of this Public Notice. This definition will not apply to shipments already made prior to the date of the issue of this Public Notice.

MANI NARAYANSWAMI, Jt. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1973

विषय.—“ऊनी चिथड़ों” का आयात—(ऊनी चिथड़ों की परिभाषा) ।

सं० 154-आई० टी० सी० (पी० एन०)/73.—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 46-आई० टी० सी० (पी० एन०)/73 दिनांक 2 अप्रैल, 1973 के अन्तर्गत जारी की गई अप्रैल 1973—मार्च, 1974 के लिए आयात नीति की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

उपर्युक्त नीति में जहां कहीं वास्तविक उपयोक्ताओं, पंजीकृत निर्यातकों का अन्य को ऊनी चिथड़ों के आयात की अनुमति दी गई है वह नीचे संकेतित “ऊनी चिथड़ों” की परिभाषा के अधीन होगी :—

“ऊनी चिथड़े

(क) ‘नए’ : अपशिष्ट ऊनी कपड़ा जो क्षेत्र में 24 वर्ग इन्च (154.84 वर्ग सें०मी०) से अधिक न हो चाहे बुने हुए या कढ़ाई किए हुए हों, जो पोशाक की कढ़ाई करने के बाद बच गए हों । इस में 154.84 वर्ग सें०मी० से कम क्षेत्र के सिरों के टुकड़े और छांटे हुए नमूनों की तहें भी शामिल हैं ।

(ख) ‘पुराने’ : पुरानी और त्यागी हुई ऊनी पोशाकें जो कि कटी-फटी हो गई हैं, सीवनों पर से उधड़ी हुई से भिन्न, और जो नकारा कर दी गई हैं ।”

3. यह परिभाषा प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख को या इस के बाद के आयातों के लिए और इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से पूर्व के जारी किए गए लाइसेंसों के लिए भी लागू होगी । यह परिभाषा प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख से पहले से ही किए गए लदानों के लिए लागू नहीं होगी ।

मणि नारायणस्वामी, संयुक्त सचिव ।